

डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका



अक्टूबर 2022 खण्ड 34 अंक 10

ISSN: 0971-4405



डॉ. समीर वी. कामत, नए डीआरडीओ प्रमुख

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
	:	श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
	:	श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
	:	डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
	:	डॉ. प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
	:	श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
	:	डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
	:	श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
	:	डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
	:	डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
	:	श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
	:	श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
	:	सुश्री नूपुर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
	:	डॉ. रूपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ. ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल)
	:	श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
	:	डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
	:	श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ. एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
	:	डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
	:	डॉ. एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख	4
समझौता ज्ञापन	5
घटनाक्रम	5
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	17



सामाजिक गतिविधियां	21
खेल-कूद गतिविधियां	23
अवसंरचना विकास	24
कार्मिक समाचार	25
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	26

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

डॉ. समीर वेंकटपति कामत बने नए डीआरडीओ प्रमुख

डॉ. समीर वी. कामत ने दिनांक 26 अगस्त 2022 को रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। डॉ. कामत ने बी. टेक (हॉनर्स) की शिक्षा धातुकर्म अभियांत्रिकी में आईआईटी खड़गपुर से सन् 1985 में और पीएचडी की शिक्षा सामग्री विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से सन् 1988 में प्राप्त की। उन्होंने डीआरडीओ में सन् 1989 में कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. कामत ने डीआरडीओ में कई महत्वपूर्ण सामग्री विज्ञान कार्यक्रमों में नेतृत्व प्रदान और मार्गदर्शन किया, जैसे कि नौसेना जहाज के हल्स (जलरोधी पेंद) के लिए उच्च टोस स्टील का विकास, उच्च तापमान वाले टाइटेनियम एलॉय और ऐरो इंजनों के लिए निकल आधारित सुपर एलॉय आधारित अवयवों अर्थात कंपोनेन्ट्स का विकास, काइनेटिक एनर्जी पेनिट्रेटर्स के लिए टंगस्टेन हेवी एलॉय का विकास, मिसाइल सीकर्स के लिए फ्यूज्ड सिलिका रेडोम्स का विकास, कार्मिकों और युद्धक वाहनों के लिए आर्मर सॉल्यूशन्स का विकास तथा वायुवाहित एवं नौसेना अनुप्रयोगों के लिए स्टेल्थ सामग्रियां। इन सामग्रियों को डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित किया गया और विभिन्न प्रणालियों में इनका उपयोग किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने कई नौसेना प्रणालियों के विकास में भी अहम भूमिका निभाई, जैसे कि उन्नत हल्के वजन वाला टॉरपेडो, टॉरपेडोरोधी दस्यु प्रणालियां, स्वचालित अंतर्जलीय जल वाहन, जहाजों के लिए उन्नत हल माउंटेड एवं टोड ऐरे सोनार, और पनडुब्बियों के लिए ईंधन सेल्स आधारित वायु आश्रित प्रणोदन प्रणालियां।



डॉ. कामत भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (आईएनएई) और इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई) के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जैसे कि आईआईटी खड़गपुर से विशिष्ट

एल्यूमिनी पुरस्कार, इस्पात मंत्रालय द्वारा वार्षिक धातुविद् पुरस्कार, और डीआरडीओ से वार्षिक वैज्ञानिक पुरस्कार। अंतर्राष्ट्रीय पीयर रिव्यूड जर्नलों में डॉ. कामत के नाम पर 180 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं।

आईआरडीई और डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून के बीच समझौता ज्ञापन

यंत्र अनुसंधान और विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने देहरादून प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईटी) विश्वविद्यालय, देहरादून के साथ आईआरडीई में दिनांक 17 अगस्त 2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य शैक्षिक संस्थाओं, वैज्ञानिकों, शोध अध्येताओं, शोधार्थियों, और संकाय सदस्यों के बीच संवाद को प्रबल करना था ताकि आपसी हित के क्षेत्रों में वैज्ञानिक सहयोग स्थापित किए जा सकें।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर डॉ. अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई और प्रोफेसर जी. रघुराम, कुलपति, डीआईटी विश्वविद्यालय ने किए। समझौता ज्ञापन में यह उल्लेख किया गया है कि सम्मेलनों/सेमिनारों, आईआरडीई कर्मियों के लिए बी टेक/एम टेक/पीएचडी अकादमिक कार्यक्रमों को दोनों पक्षकारों द्वारा संयुक्त



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान डॉ. अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई और प्रोफेसर जी. रघुराम, कुलपति, डीआईटी विश्वविद्यालय

रूप से आयोजित किया जाएगा तथा वैज्ञानिक एवं अकादमिक ज्ञान को एक दूसरे के साथ साझा किया जाएगा और

प्रोजेक्ट शोधप्रबंध के लिए पीजी/यूजी छात्रों को संयुक्त रूप में मार्गदर्शन दिया जाएगा।

सतह से हवा में त्वरित मार करने वाली मिसाइल के छः उड़ानों का परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय थलसेना ने ओडिशा तट के निकट स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर से सतह से हवा में त्वरित मार करने वाली मिसाइल (क्यूआरएसएएम) के छः उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया। उड़ान परीक्षण, भारतीय थल सेना द्वारा मूल्यांकन परीक्षणों के भाग के रूप में, संचालित किए गए।

उड़ान परीक्षण विभिन्न प्रकार के खतरों को ध्यान में रखकर, उच्च गति वायुयुव लक्ष्यभेदन के लिए किए गए

ताकि लंबी दूरी एवं मध्यम तुंगता, छोटी दूरी, उच्च तुंगता में लक्ष्य भेदन, पश्चामी एवं क्रॉसिंग लक्ष्य भेदन के साथ न्यून रडार सिग्नेचर, और त्वरित रूप से दागे जाने वाली दो मिसाइलों के साथ साल्वो लॉन्च सहित विभिन्न परिदृश्यों के तहत शस्त्र प्रणालियों का मूल्यांकन किया जा सके। प्रणाली के प्रदर्शन का मूल्यांकन दिन और रात में की जाने वाली सैनिक कार्रवाइयों के लिए भी किया गया।

इन परीक्षणों के दौरान, मिशन के सभी उद्देश्यों को प्राप्त किया गया जिसके फलस्वरूप नवोन्नत निर्देशन के साथ शस्त्र

प्रणाली की पिन प्वाइंट सटीकता तथा वारहेड चैन सहित कंट्रोल के प्रदर्शन को परखा गया। प्रणाली के प्रदर्शन की पुष्टि कई परिसर यंत्रों, जैसे कि आईटीआर द्वारा विकसित टेलीमेट्री, रडार, और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग प्रणालियों (ईओटीएस) से अभिग्रहित डेटा से की गई। डीआरडीओ और भारतीय थलसेना से उच्चाधिकारियों ने इन प्रक्षेपणों में सहभागिता की। इन परीक्षणों को संचालित करने से पहले प्रणालियों को अंततः तैनात करने हेतु नया रूप (कॉन्फिगरेशन) दिया गया। कॉन्फिगरेशन के लिए सभी देशज

विकसित उप प्रणालियों को शामिल किया गया था जिनमें देशज रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सीकर के साथ मिसाइल, मोबाइल लॉन्चर, पूर्ण रूप से स्वचालित कमांड एवं कंट्रोल प्रणाली, निगरानी, और बहु कार्य वाले रडार सम्मिलित थे। क्यूआरएसएम शस्त्र प्रणाली की विशिष्टता यह है कि यह सर्च एवं ट्रैक क्षमता के साथ उड़ान के दौरान ऑपरेट हो सकती है और बहुत ही कम विराम में निशाना लगा सकती है। इस शस्त्र प्रणाली की विशिष्टता पूर्व में संचालित किए गए मोबाइल परीक्षणों के दौरान सिद्ध हुई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ तथा भारतीय थलसेना की प्रशंसा की। उन्होंने यह उम्मीद जताई कि क्यूआरएसएम शस्त्र प्रणाली सशस्त्र बलों के लिए काफी उपयोगी एवं बहुमुखी साबित होगी। सचिव, रक्षा आर एवं डी विभाग और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने परीक्षणों से जुड़ी टीमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली अब भारतीय थलसेना में शामिल किए जाने के लिए तैयार है।



स्वतंत्रता दिवस समारोह

केयर, बेंगलूरु

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी (केयर), बेंगलूरु ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करके दिनांक 13-15 अगस्त 2022 के दौरान 'हर घर तिरंगा' समारोह मनाया। हाथों में तिरंगा लिए केयर के कर्मी अपने-अपने कार्यालय भवनों पर एकत्र हुए। केयर के कर्मी और उनके परिवार के लोगों ने भी केयर हाउस डीआरडीओ टाउनशिप में आयोजित अभियान में प्रतिभागिता की।

दिनांक 15 अगस्त 2022 को, स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत निदेशक,



केयर द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई। डॉ. सुब्रत रक्षित, निदेशक, केयर ने सभा को संबोधित किया और केयर के अधिकारियों/स्टाफ/संविदा कर्मियों के बच्चों को मेरिट पुरस्कार वितरित किए।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान और विकास स्थापना (आईआरडीई) ने दिनांक 11-17 अगस्त 2022 के दौरान 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाया और 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम में भाग लिया। आईआरडीई ने अपने विभिन्न स्थानों और विज्ञान विहार आवासीय भवनों में तिरंगा लहराया। देहरादून क्षेत्र में 6 से 8वीं तक की कक्षाओं के छात्रों हेतु 20 भिन्न विद्यालयों में एक प्रश्नोत्तरी यानी विवज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1000 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवादी भाव विकसित करना तथा वैज्ञानिक सोच पैदा करना था। डॉ. बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (ईसीएस) ने दिनांक 12 अगस्त 2022 को आईआरडीई में समारोह का उद्घाटन किया। डॉ. अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने अधिकारियों और स्टाफ को संबोधित किया तथा आईआरडीई की वर्तमान एवं भावी गतिविधियों को उजागर किया। आईआरडीई स्वास्थ्य केंद्र में कोविड-19 बूस्टर खुराक देने हेतु एक कार्यक्रम चलाया गया। आईआरडीई में भारत के स्वतंत्रता संघर्ष को प्रदर्शित करते हुए एक देशभक्ति नाट्य तथा देशभक्ति उड़ीया नृत्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने दिनांक 15 अगस्त 2022 को बड़े उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर द्वारा ध्वज फहराए जाने के साथ हुई। आईटीआर



में यह पहली बार हुआ कि राष्ट्रीय ध्वज 100 फीट (30 मी.) की ऊंचाई पर लहराया गया। निदेशक, आईटीआर ने डीआरडीओ की स्थापना के बाद, उसके द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर बल देते हुए, स्वतंत्रता उपरांत अवधि में देश की उपलब्धियों को उजागर किया। उन्होंने आईटीआर को एक विश्व स्तरीय परीक्षण परिसर बनाने में तथा चार दशक पूर्व स्थापित आईटीआर को एक राष्ट्रीय संपत्ति बनाने में, आईटीआर

के कर्मियों और उनके परिवार सदस्यों के समर्पण और सहृदय योगदान की सराहना की। इस अवसर पर, निदेशक, आईटीआर ने केंद्रीयकृत तकनीकी ऊर्जा गृह, केंद्रीयकृत निगरानी सुविधा और परिसर प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया। एक वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया गया जिसमें आईटीआर के कर्मियों ने आईटीआर तकनीकी क्षेत्र के भीतर 40 नारियल वृक्षों का पौधारोपण किया।



एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में स्वतंत्रता सप्ताह मनाया और कई कार्यक्रम आयोजित किए। 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम दिनांक 11-14 अगस्त 2022 के दौरान चलाया गया। ध्वज दुर्गाड़ी किले में दिनांक 13 अगस्त 2022 को फहराया गया। चूंकि एनएमआरएल प्रयोगशाला सामग्रियों के आर एण्ड डी का कार्य कर रही है और नौसेना जहाज के लिए प्रक्रमों यानी प्रोसेसिस की आवश्यकता है, इसलिए यह निर्णय किया गया कि तिरंगा ऐतिहासिक रूप से स्मरणीय स्थल, 'दुर्गाड़ी' किले पर फहराया जाए ताकि महान मराठा छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की जा सके क्योंकि उन्होंने इस किले का उपयोग नावों और जहाजों के निर्माण हेतु एक बंदरगाह के रूप में किया था। समारोह में एनएमआरएल के श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक तथा अन्य उच्चधिकारी एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने तथा युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करने हेतु, एनएसटीएल से एक पांच सदस्यीय टीम ने विजयनगरम, श्रीकाकुलम, और विशाखापत्तनम के तीन जिलों के अंतर्गत स्थित 21 सरकारी, जिला परिषद तथा नगरपालिका विद्यालयों की यात्रा की। उनकी यात्रा का उद्देश्य दूर ग्रामीण विद्यालयों में छात्रों को भारतीय ध्वज की उत्पत्ति, ध्वज संहिता और आत्मनिर्भरता हासिल करने हेतु डीआरडीओ के योगदानों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। छात्रों में शुरुआती दिनों से ही विश्लेषणात्मक एवं संचार कौशल विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। छात्रों की सक्रिय प्रतिभागिता सुनिश्चित करने हेतु, स्वतंत्रता सेनानियों, ध्वज संहिता, डीआरडीओ के उत्पादों तथा



छात्रों के 'भारत के भविष्य के लिए दृष्टिकोण' पर आशुभाषण के संदर्भ में प्रश्नोत्तरी अर्थात् क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। एनएसटीएल परिवार ने इस अवसर पर विद्यालयों को एनएसटीएल सेवा समिति के तत्वावधान के माध्यम से, वैज्ञानिक उपयोगी मर्दें उपलब्ध कराई और दिनांक 8 अगस्त 2022 को आयोजित महिला कल्याण मंच महोत्सव के दौरान दान प्राप्त किए गए।

विद्यालयों ने एनएसटीएल की मर्दों के प्रति काफी उत्साह व्यक्त किया और विद्यालयों के शिक्षक एनएसटीएल टीम के साथ स्वेच्छा से जुड़े जिन्होंने यह आग्रह किया कि एनएसटीएल उनकी भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला के लिए प्रिज्म, ग्लास स्लैब्स; रासायनिक परीक्षणों के लिए रसायन; माइक्रोस्कोप, सामाजिक अध्ययनों के लिए चार्ट एवं गणितीय सूत्र व विधियां तथा

खेल-कूद किटों की आपूर्ति करे। विद्यालयों में डॉ. अब्दुल कलाम के अभिप्रेरणीय उद्धरणों को प्रदर्शित किया गया। एनएसटीएल के लिए, यह एक पारितोषिक एवं अद्भुत अनुभव रहा कि उसे ग्रामीण पृष्ठभूमियों के एक बड़े भाग से संवाद करने, उन्हें 'अपनी बुद्धि को ज्ञानोदयी बनाने' हेतु प्रोत्साहित करने तथा उन्हें 'सफलता की कुँजी' से अवगत कराने का अवसर मिला।

लेह-लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में लद्दाखी किसान जवान विज्ञान मेला-2022

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान स्थापना (डिहार), जो डीआरडीओ की एक अग्रणी प्रयोगशाला है और लद्दाख के उच्च तुंगता शीत मरुस्थली परा-हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, ने दिनांक 29-30 अगस्त 2022 के दौरान 29वें लद्दाखी किसान जवान विज्ञान मेला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य स्थानीय किसानों तथा लद्दाख क्षेत्र में तैनात जवानों के मध्य डिहार द्वारा विकसित अत्याधुनिक कृषि-पशु संबंधी प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में, तकनीकी ज्ञान व पहलुओं का प्रसार करना था।

मेले का उद्घाटन सुश्री शोभा कारनदलाजे, माननीया केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने श्री आर के माथुर, महामहिम उप राज्यपाल लद्दाख, श्री जमयांग सेरिंग नामग्याल, सांसद (लद्दाख); लेफ जन ए सेनगुप्ता, एवीएसएम वाईएसएम, जीओसी, 14 कोर; डॉ. यू के सिंह, महानिदेशक (एलएस), डीआरडीओ और डॉ. ओ पी चौरसिया, निदेशक, डिहार की उपस्थिति में दिनांक 29 अगस्त 2019 को किया। एलएएचडीसी, सेना और जिला अधिकारियों, स्थानीय किसानों के प्रतिनिधियों तथा छात्रों ने बड़ी संख्या में मेले में भाग लिया।

सुश्री शोभा कारनदलाजे ने डिहार के सन् 1960 के दशक से लेकर अब तक



के प्रयासों की सराहना की और स्थानीय किसानों को गुणवत्तापूर्ण जैविक ताजे खाद्य पदार्थों की खेती करने में सहायता देने के लिए उनकी प्रशंसा की, जिनकी आपूर्ति कठोर पर्यावरण स्थितियों में तैनात सैनिकों को की जाती है।

माननीय मंत्री ने यह सुझाव दिया कि उचित नीतियां बनाई जाएं ताकि स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित अधिकतम जैविक उत्पाद की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर सशस्त्र बलों को की जा सके। इस प्रस्ताव को मानीनीय

सांसद और जीओसी 14 कोर ने पुरजोर तरीके से अपना समर्थन दिया। महामहिम उप राज्यपाल लद्दाख, ने संघ राज्य लद्दाख को डिहार द्वारा उपलब्ध कराई गई दैनिक सहायता देने हेतु प्रयोगशाला के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर, सुश्री शोभा कारनदलाजे ने भारतीय थलसेना को प्रौद्योगिकियां सौंपने के शिष्टाचार के रूप में, जीओसी 14 कोर को डिहार ग्रीनहाउस के लघु चित्रों की प्रतिकृतियों और सूक्ष्म-कृषि

प्रौद्योगिकी सौंपी। लद्दाख में सरदा फल अर्थात सन मेलन की खेती करने के लिए, सूक्ष्म कृषि प्रौद्योगिकी एवं काली गोजी बेरी के लिए तकनीकी बुलेटिनों का विमोचन किया गया तथा 'डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम विस्तार केंद्र', जो लद्दाख में अपने आप में एक अनूठी सुविधा केंद्र है, का भी उद्घाटन किया गया। मेले में प्रदर्शित आकर्षक गतिविधियों में, विभिन्न कटिंग एज प्रौद्योगिकियों जैसे कि सब्जी फसलों

की खेती करना, लंबे समय वाले शीतकाल में आलू भंडारण प्रौद्योगिकी, विभिन्न प्रकार की परिरक्षित खेती संरचनाओं, पलवार (मल्व) प्रौद्योगिकी, औषधीय पादपों का संरक्षण एवं विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों का सूत्रीकरण, माल भारवाई एवं गश्त लगाने, आदि के लिए दो जुड़ों वाले ऊँटों को प्रदर्शित किया गया।

इसके अलावा, इस संघ राज्य क्षेत्र में स्थित विभिन्न अन्य एजेंसियों

और संस्थानों तथा एनजीओ संगठनों ने अपने-अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को मेले में प्रदर्शित किया।

मुख्य कार्यक्रम के ऑफशूट के रूप में, सियाचिन क्षेत्र में 3 सितंबर 2022 को डिहार डेट परतापपुर में भी एक मेले का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लद्दाख के दूर-दराज क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों का प्रसार करना था।

स्थैतिक उपकरण प्रदर्शनी - विनबैक्स-2022 में डीआरडीओ की सहभागिता

भागीदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में, भारत और वियतनाम ने परिपूर्ण सामरिक भागीदारी और रक्षा सहयोग किया है। वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और भारत-प्रशांत विज्ञान में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। विनबैक्स-2022 घटनाक्रम, वियतनाम-भारत द्विपक्षीय सेना अभ्यास का हिस्सा था जिसे चण्डीमंदिर, हरियाणा में दिनांक 01-20 अगस्त 2022 के दौरान संचालित किया गया था। विनबैक्स-2022 का शीर्षक 'एक नियोक्ता इंजीनियर कंपनी और शांति बल कार्रवाइयों के लिए संयुक्त राष्ट्र आकस्मिकता के रूप में, एक चिकित्सा टीम की तैनाती' करना था। डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने दिनांक 17-18 अगस्त 2022 के दौरान विनबैक्स-2022 स्थैतिक उपकरण प्रदर्शनी में भाग लिया। विनबैक्स-2022 के लिए नोडल प्रयोगशाला के रूप में, रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), रक्षा शरीक्रिया और संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), नाभिकीय औषधि और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) के साथ कौशलया डैम, चण्डीमंदिर, हरियाणा में विनबैक्स-2022

शीर्षक 'मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर)' में समन्वय किया।

डीआरडीओ के प्रतिनिधिमंडलों ने एकीकृत अवधाव प्रशमन स्कीम के पुरालेखों यानी एक्जिबिट्स, मॉडलों, पोस्टरों एवं पेम्फलेटों, अवधाव प्रवण क्षेत्रों के लिए डिजिटल अवधाव मानचित्र, कंट्रोल संरचनाओं का प्रयोग करके अवधाव खतरे का प्रशमन, अवधाव के दौरान जागरुकता एवं बचाव और सुरक्षा प्रशिक्षण, बुंद ब्लास्टिंग उपकरण मार्क-II, मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड, बैफल रेंज, रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज राष्ट्रीय परीक्षण सुविधा, छोटे लक्ष्यभेदनों के लिए स्मार्ट सॉल्यूशन्स, अल्ट्रा स्वच्छ रेडिएशन बायोडोसिमेट्री सेवाएं, रक्षिता, कोविड-रोधी औषधि: 2जी, चरम शीत मौसम में परिधान व्यवस्था और महिला सैनिकों के लिए पूर्ण शारीरिक परिरक्षक (प्रबला) को विनबैक्स-2022 प्रदर्शनी में देखा और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की।

स्थैतिक उपकरण प्रदर्शनी में भाग लेने आए आगंतुकों में, भारतीय थलसेना कमांडर, मुख्य इंजीनियर, लेफ जन हरपाल सिंह, पश्चिम सेना कमांडर, लेफ जन नव के खंडूरी, एवीएसएम, वीएसएम-सीओएस, लेफ जन वी बी नायर-कोर

काडर 11 कोर, लेफ जन देवेन्द्र शर्मा -कोर काडर 2 कोर, लेफ जन प्रतीक शर्मा, मेजर जन के जे एस राठोड़, मेजर जन संदीप सिंह, एमजीजीएस ओपीएस, मेजर जन वी आर्य, मेजर जन हरिन्द्र सिंह, मेजर जन विक्रम हरिन्द्र सिंह, मेजर जन विक्रम तनेजा, मेजर जन हर्ष छिब्वर, एमजी एएससी ईएमई एवं मेजर जन एम के मेहता और भारत में वियतनाम के राजदूत, एच ई फाम सान्ह चौ, मेजर जन होएंग किम फंग, निदेशक, राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय, वियतनाम शांति सैनिक ऑपरेशन विभाग के मिशन प्रमुख, वियतनाम समाजवादी गणराज्य दूतावास, नई दिल्ली, रक्षा अताशे वरि कर्नल फाम द हंग, डॉ. डो थान्ह हे, मंत्री पार्श्व-मिशन के उप प्रमुख, वियतनाम समाजवादी गणराज्य दूतावास, कर्नल लू डिन्ह हियेन, और माई अनु तुआन, राजनीतिक अधिकारी एवं डीजी संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक कार्यालय (यूएनपीकेओ) शामिल थे।

अपने दौरे के दौरान, डॉ पी के सत्यवली, निदेशक, डीजीआरई, और श्री प्रतीक किशोर, निदेशक, टीबीआरएल ने भारतीय थलसेना बलों, थलसेना चिकित्सा वाहिनी, एनडीआरएफ, हरियाणा

पुलिस के प्रतिनिधिमंडलों तथा वियतनाम के प्रतिनिधिमंडलों के साथ संवाद किया। प्रतिनिधिमंडलों को डीआरडीओ

के उपलब्ध उत्पादों, अभियांत्रिकी और शांति सैनिक कार्रवाइयों के लिए संयुक्त राष्ट्र आकस्मिकता हेतु मानवीय सहायता

एवं आपदा राहत (एचएडीआर) के लिए चिकित्सीय समाधानों के बारे में जानकारी दी गई।



लेफ्ट जन हरपाल सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी, प्रमुख अभियंता भारतीय थलसेना डीआरडीओ के पेवेलियन का दौरा करते हुए



भारत में वियतनाम के राजदूत, एच ई फाम सान्ह चौ और वियतनाम सेना का प्रतिनिधिमंडल VINBAX-2022 में डीआरडीओ पदाधिकारियों के साथ संवाद करते हुए

सद्भावना दिवस समारोह

श्री राजीव गांधी (भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री) की जयंती के अवसर पर, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में दिनांक 19 अगस्त 2022 को सद्भावना दिवस मनाया गया जिसका शीर्षक था 'सभी धर्मों, भाषा-भाषियों और क्षेत्रों के बीच राष्ट्रीय अखंडता एवं सांप्रदायिक सद्भावना को बढ़ावा देना, हिंसा से दूर रहना तथा देश के लोगों के बीच सद्भावना को बढ़ावा देना।' श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने आईटीआर के अधिकारियों और कर्मियों को 'सद्भावना दिवस शपथ' द्विभाषिक रूप से दिलाई।



संयुक्त भारत महोत्सव एवं चित्रांगन

महिला कल्याण मंच (एमकेएम), नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने भारत की समृद्ध संस्कृति एवं भोज-व्यंजनों की खोज करने हेतु दिनांक 08 अगस्त 2022 को संयुक्त भारत महोत्सव मनाया। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती स्मिता वी कामत, मुख्य मेन्टर, एमकेएम और श्रीमती वाई लक्ष्मी श्रीनिवास राव, अध्यक्ष, एमकेएम ने किया। इस रंगोत्सव कार्यक्रम में, हस्तशिल्प मदों के 15 स्टाल, क्षेत्रीय भोज-व्यंजनों, फिजियोथेरेपी, और इलेक्ट्रो-होमोपैथी, विभिन्न खेलों, और टेरो कार्ड रीडिंग, आदि प्रदर्शित किए गए। ये सभी स्टाल एनएसटीएल की महिला कर्मियों तथा पुरुष कर्मियों की धर्मपत्नियों द्वारा स्थापित किए गए। इसके अलावा, तात्कालिक यानी ऑन द स्पॉट प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए तथा क्रेताओं के लिए घंटा दर घंटा आधार पर लक्की डिप आयोजित की



गई। इस अवसर पर, डॉ वाई श्रीनिवास राव, ओएस एवं निदेशक, एनएसटीएल ने श्री प्रबल मोहंती, वरिष्ठ सदस्य, विजांग कैमरा क्लब, के साथ एनएसटीएल परिवार द्वारा एक फोटो प्रदर्शनी 'चित्रांगन' का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी की समस्त फोटो के संकलन के साथ

एक सोवनियर का अनावरण किया गया। प्रदर्शनी में, एनएसटीएल के कई कार्मिकों द्वारा खींची गई तश्वीरों व फोटोग्राफ प्रदर्शित किए गए। श्री सौरव मजूमदार, वैज्ञानिक 'ई' और उनकी टीम ने प्रदर्शनी की खूबसूरत तश्वीरों का संकलन एवं वर्गीकरण किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस समारोह

रक्षा वैज्ञानिक सूचना और प्रलेखीकरण केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने पद्मश्री डॉ एस आर रंगानाथन (जिन्हें भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक के रूप में जाना जाता है) की जयंती के अवसर पर दिनांक 18 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और डॉ एस आर रंगानाथन के योगदानों एवं कृतियों को उजागर किया। उन्होंने मेटाडेटा सृजन के माध्यम से डिजिटल दस्तावेजों के रिट्राइवल पर और उन्हें डिजिटल मीडिया में उचित रूप से भंडारित करने के लिए एक सूचनाप्रद वार्ता की प्रस्तुति की। इस कार्यक्रम में टीआईआरसी कार्मिकों और डीआरडीओ की दिल्ली स्थित प्रयोगशालाओं से वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ संगीता कौल, निदेशक, डेलनेट डवलेपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क, ने 'सर्विंग द लाइब्रेरी यूजर्स विद सर्विस एटिट्यूड' शीर्षक पर एक अभिप्रेरक



वार्ता की प्रस्तुति की। उन्होंने ऐसे सभी तौर तरीकों के बारे में बताया जिनके माध्यम से पुस्तकालयाध्यक्ष आज के युग में अपने प्रयोक्ताओं तक अपनी पहुंच बढ़ा

सकते हैं और उनका विश्वास प्राप्त कर सकते हैं। इस समारोह को श्री निशांत कुमार, वैज्ञानिक 'ई' और उनकी टीम ने आयोजित किया था।

विश्व फोटोग्राफी दिवस-2022 समारोह

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में 'पैन्डेमिक लॉकडाउन थ्रू द लेन्स' शीर्षक अर्थात लेन्स के जरिए महामारी प्रेरित लॉकडाउन की स्थिति पर दिनांक 19 अगस्त 2022 को विश्व फोटोग्राफी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईटीआर के कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा ली गई तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई जहाँ अनेक प्रकार की तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं। निदेशक, आईटीआर ने प्रदर्शनी के प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।



स्थापना दिवस समारोह डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने दिनांक 29 जुलाई को अपने 52 वें स्थापना दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी), और अध्यक्ष, डीआरडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, जबकि श्री के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) सम्मानित अतिथि थे। डीआरडीओ मुख्यालय, मेटकॉफ हाउस, तिमारपुर परिसर से निदेशकों एवं दिल्ली स्थित स्थापनाओं से वरिष्ठ वैज्ञानिकों, आमंत्रित महानुभावों और डेसीडॉक के कर्मियों ने समारोह में भाग लिया। डेसीडॉक ने समारोह के दौरान डीआरडीओ के विभिन्न प्रकाशनों को प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि और अन्य महानुभावों ने स्टाल का दौरा किया और

डीआरडीओ की ओर से डेसीडॉक द्वारा प्रकाशित नियमित एवं विशेष प्रकाशनों पर दृष्टिपात किया।

डॉ. के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने स्वागत सत्र में संबोधन देते हुए डेसीडॉक की गत वर्ष में विभिन्न गतिविधियों को उजागर किया। उन्होंने सभा को डेसीडॉक की नवीनतम पहलों और भावी योजनाओं के बारे में बताया और इस बात पर बल दिया कि डेसीडॉक अथक प्रयायों और नवप्रवर्तन दृष्टिकोण के साथ, डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय को सेवा प्रदान करता रहेगा।

विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने डेसीडॉक द्वारा गत वर्षों में किए गए कठिन कार्यों की प्रशंसा की और इस बात पर जोर दिया कि डेसीडॉक को डीआरडीओ की सूचना सेवा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में दक्षता के साथ बेहतर

तरीके से कार्य करना चाहिए।

डीआरडीओ के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में, डीआरडीओ को बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने के लिए डेसीडॉक की सराहना की और यह सलाह दी कि डेसीडॉक को तकनीकी प्रलेखीकरण एवं संबद्ध क्षेत्रों में कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि डेसीडॉक स्वयं का पुनरुद्धार करे और उसे ऐसे नए विचार प्रस्तुत करने चाहिए जो आज के परिदृश्य की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण हों। इस अवसर पर, कर्मियों को प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कारों का वितरण किया गया।

डीआरडीओ में 25 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। श्रीमती सुमति शर्मा, वैज्ञानिक 'जी' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं, इसलिए इसे अंतरजलीय युद्धास्त्रों एवं प्रणालियों के विकास में कार्य रही डीआरडीओ की अग्रणी प्रयोगशालाओं में से एक है। एनएसटीएल की स्थापना 10 स्टाफ सदस्यों के साथ दिनांक 20 अगस्त 1969 को की गई थी। तब से इसका आकार कई गुना बढ़ चुका है, आज इसमें कार्य करने वाले कार्मिकों की संख्या 585 है जिसमें 174 वैज्ञानिक हैं।

वाइस एडमिरल बिश्वजीत दासगुप्ता, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम पलैंग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसी-इन-सी), पूर्वी नौसेना कमांड (ईएनसी) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत एलआरडीसी-2022 के अध्यक्ष, श्री एम श्रीनध, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा आवाहन एवं स्वागत संबोधन के साथ हुई।

श्री चवीएसएन मूर्ति, अध्यक्ष, एनएसटीएल सिविल कर्मचारी यूनियन, ने एनएसटीएल द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान दी गई सामाजिक सेवाओं और बूस्टर टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में

बात की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय और तकनीकी संवर्ग के कार्मिकों से आग्रह किया कि वे राष्ट्र को सेवा देने के लिए और अधिक प्रयास करें। डॉ मनु कोरुला, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, निर्माण कार्य समिति ने निर्माण कार्य समिति की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सामाजिक सेवाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया जो एनएसटीएल सिविल कर्मचारी यूनियन के सदस्यों, जे सी एम-IV, निर्माण कार्य समिति एवं एनएसटीएल समुदाय के सदस्यों के सहयोग से उपलब्ध कराई गई थीं। उन्होंने स्वतंत्रता रैली, स्वतंत्रता वॉल्क, हर घर तिरंगा गतिविधियों, आदि सहित 75 से अधिक कार्यक्रमों को उजागर किया जिन्हें आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान के तहत आयोजित किया गया था।

अपने संबोधन में, डॉ वाई श्रीनिवास राव, ओएस एवं निदेशक, एनएसटीएल ने एनएसटीएल की पृष्ठभूमि के बारे में बताया, और यह भी बताया कि एनएसटीएल वर्तमान नवोन्नत अग्रणी नौसेना अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में किस प्रकार उभरकर आया है। उन्होंने एनएसटीएल की चालू परियोजनाओं के बारे में भी बताया; भावी आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु नवोन्मेषी

प्रौद्योगिकियों की प्रगति पर जोर दिया; और एनएसटीएल के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में प्रयोगशाला में नए सुधारों के विवरण प्रस्तुत किए। उन्होंने एनएसटीएल सेवा समिति और महिला कल्याण मंच की विशेष रूप से प्रशंसा की जिन्होंने अनेक परोपकारी गतिविधियों को निष्पादित किया।

डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक जिन्होंने डीआरडीओ के अध्यक्ष और रक्षा आर एण्ड डी विभाग के सचिव के पद का कार्यभार संभाला है, ने एनएसटीएल समुदाय को एक विडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। अपने संदेश में उन्होंने एनएसटीएल को और भी अधिक मुकाम छूने की शुभकामना दी और आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में उससे बड़े उत्साह से कार्य करने की उम्मीद की।

इस अवसर पर, मुख्य अतिथि, निदेशक, एनएसटीएल और अन्य महानुभावों ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत एनएसटीएल समुदाय द्वारा निष्पादित सभी गतिविधियों के संकलन के साथ एक कॉफी टेबल बुक का अनावरण किया। समारोह के भाग के रूप में, एनएसटीएल के कर्मियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया।



इंडिस्कॉन-2022 में आईटीआर की प्रतिभागिता

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने आईईईई, भुवनेश्वर उप-विभाग द्वारा दिनांक 15-17 जुलाई 2022 के दौरान आयोजित आईईईई इंडिया के तृतीय अंतर्राष्ट्रीय शीर्षतम, वार्षिक एवं उप-विभागीय सम्मेलन 'इंडिस्कॉन-2022' में भाग लिया जिसे केआईआईटी (डीयू),

भुवनेश्वर में होस्ट किया गया था। इस अवसर पर, आईटीआर, चांदीपुर ने विभिन्न मिसाइल मॉडलों के अंतरंग एवं बाह्य प्रदर्शनों के लिए एक मिसाइल पार्क स्थापित किया गया।

इस मिसाइल पार्क का उद्घाटन डॉ सस्मिता सामंत, माननीय कुलपति,

केआईआईटी (डीयू) ने किया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर इस अवसर पर उपस्थित थे जिन्होंने इस प्रकार के सम्मेलन के विभिन्न पहलुओं को रेखांकित किया तथा नवीनतम अनुसंधान गतिविधियों पर शोध पत्रों का प्रकाशन करने पर जोर दिया।



सीडीईएफ, नागपुर में लाइव कैमिकल वारफेयर एजेंटों का प्रशिक्षण

रासायनिक रक्षा उपकरण मूल्यांकन सुविधा (सीडीईएफ), रक्षा अनुसंधान और विकास स्थापना (डीआरडीई), नागपुर ने सशस्त्र बलों के जेसीओ/एनसीओ अधिकारियों के लिए 'लाइव कैमिकल वारफेयर एजेंटों का प्रशिक्षण' पर दिनांक 29-30 अगस्त 2022 के दौरान एक दो दिवसीय उच्चतर पाठ्यक्रम का संचालन किया।

सीडीईएफ, डीआरडीई, नागपुर ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए पाठ्यक्रम को सतर्कता के साथ पहली बार डिज़ाइन और संचालित किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न एनबीसी उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों को व्यावहारिक तौर पर प्रदर्शित करना तथा लाइव रासायनिक युद्धक एजेंटों के साथ फील्ड अभ्यास करना था ताकि वे सीडब्ल्यू आपातकालों से प्रभावकारी, दक्षतापूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से निपटने और प्रबंध के लिए अपने कौशलों को बढ़ा सकें। सीडब्ल्यू की खोज, परिरक्षण, और विसंदूषण पर



व्यावहारिक प्रशिक्षण नियंत्रित पर्यावरण और खुले मैदान परिदृश्य में दिया गया। इस पाठ्यक्रम से प्रतिभागियों का सीडब्ल्यू के साथ आपातकालों से निपटने में आत्मविश्वास बढ़ा जिससे सैनिकों की युद्धक दक्षता निश्चित तौर पर बढ़ेगी। डॉ के गणेशन,

वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक डीआरडीई ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और डॉ बिधान चन्द्र बेग, ओआईसी-सीडीईएफ और पाठ्यक्रम निदेशक की उपस्थिति में समापन समारोह में प्रमाण पत्रों का वितरण किया।

वीएलएसआई एवं आईटीएस अनुप्रयोगों में नवीनतम प्रवृत्तियों पर पाठ्यक्रम

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में वीएलएसआई में नवीनतम प्रवृत्तियों और उसके अनुप्रयोगों पर दिनांक 23-25 अगस्त 2022 को एक पाठ्यक्रम संचालित किया गया जिसका उद्घाटन श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने किया। प्रारंभिक व्याख्यान श्री अनूप कुमार, सह-निदेशक, सी-डैक, हैदराबाद ने दिया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वीएलएसआई, और उसके अनुप्रयोगों एवं



उपयोगिता के बारे में प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन करना था। पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनेक विषयों, जैसे कि एनालॉग एवं मिश्रित सिग्नल वीएलएसआई डिज़ाइन प्रवृत्तियों, डेटा कन्वर्टर के विभिन्न पहलुओं, एडीसी के प्रदर्शन में सुधार लाना, प्रोग्रामेबल लॉजिक डिवाइस, डिजिटल वीएलएसआई

डिज़ाइन प्रविधि, पेसिव आरएफ सरफेस टारगेट का डिज़ाइन एवं विकास, आदि को शामिल किया गया और उन पर विस्तार से चर्चा की गई। आईआईटी, केजीपी, सी-डैक, सीमेन्स के विख्यात संकाय सदस्यों एवं विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर),

चांदीपुर और नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम का आयोजन डॉ प्रदीप्ता रॉय, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम और उनकी टीम ने किया।

वायुवाहित निगरानी प्रणालियों पर पाठ्यक्रम

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरु के लिए 'वायुवाहित निगरानी प्रणालियां' पर दिनांक 08-12 अगस्त 2022 के दौरान निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का संचालन किया ताकि कैब्स डीआरडीओ के कार्य बलों के साथ कार्य करने के उपरांत प्राप्त तकनीकी ज्ञान का साझा कर सके।

डॉ के राजालक्ष्मी मेनन, ओएस एवं निदेशक, कैब्स और कार्यक्रम निदेशक, आईडब्ल्यू एवं सी मार्क-II कार्यक्रम, ने सीईपी का उद्घाटन किया और श्री एमएस ईश्वरन, पूर्व निदेशक, कैब्स को मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में सम्मानित किया गया। अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन के दौरान उपस्थित थे।

उद्घाटन संबोधन में, निदेशक कैब्स एवं मुख्य अतिथि ने डोमेन विशेषज्ञों से डीआरडीओ उत्पादों के संबंध में ज्ञान साझा करने एवं व्यावहारिक जोखिम प्राप्त करने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में इस



पाठ्यक्रम की महत्ता पर जोर दिया।

इस पाठ्यक्रम में आंतरिक प्रयोगशालाओं एवं बाह्य सहायक प्रयोगशालाओं से कुल 34 वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया। व्याख्यान कैब्स और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा दिए गए। अधिकतर प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी कि पाठ्यक्रम की विषय वस्तु काफी सूचनाप्रद और उनके तात्कालिक एवं भावी अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त थी। सीईपी के समापन दिवस में

एक एमसीक्यू टेस्ट संचालित किया गया। डॉ के राजालक्ष्मी मेनन, ओएस, निदेशक, कैब्स एवं कार्यक्रम निदेशक, आईडब्ल्यू एवं सी मार्क-II कार्यक्रम, और डॉ एस के वेंकटेश, वैज्ञानिक 'जी', कैब्स ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। पाठ्यक्रम निदेशक सुश्री एम आर भुवनेश्वरी, वैज्ञानिक 'एफ' और उप पाठ्यक्रम निदेशक, श्री ए मुथुकुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने प्रतिक्रिया और धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

इलेक्ट्रॉनिक संग्राम ऑपरेशन सहायता प्रणाली के लिए प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक संग्राम ऑपरेशनल सहायता प्रणाली प्रौद्योगिकियां (ईडब्ल्यूओएसएस) पर प्रथम निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान

प्रयोगशाला (डीएलआरएल) द्वारा 24-26 अगस्त 2022 के दौरान संचालित किया गया। पाठ्यक्रम को इस प्रकार रूपरेखा दी गई कि उसमें ईडब्ल्यूओएसएस

और उसकी वर्तमान एवं भावी प्रौद्योगिकियों के बारे में तथा उसके सैन्य सिद्धांतों पर प्रभाव के बारे में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो।

श्री एन श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलआरएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने प्रारंभिक संबोधन में, उन्होंने किसी भी ईडब्ल्यू प्रणाली की संभावना को साकार करने हेतु ईडब्ल्यू ओएसएस की महत्ता एवं आवश्यकता पर जोर दिया। पाठ्यक्रम निदेशक श्रीमती प्रीति गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' ने पाठ्यक्रम के विवरणों के बारे में जानकारी दी। पाठ्यक्रम अनुसूची के अंतर्गत विभिन्न रुचिकर एवं लाभकारी विषयों को शामिल किया गया है जिनमें ईडब्ल्यूओएसएस के अनेक पहलुओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई है। कर्नल रमेश जोगाराव ने ईडब्ल्यू में वर्तमान प्रवृत्तियों पर एक शीर्ष संबोधन दिया और भावी लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताया। श्री प्रशांत त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'एफ' ने ईडब्ल्यू सिद्धांतों पर एक वार्ता की प्रस्तुति की। श्रीमती प्रीति गुप्ता ने डीएलआरएल द्वारा डिजाइन किए गए ईडब्ल्यूओएसएस प्रणाली का एक सामान्य विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। ईडब्ल्यूओएससी, मुंबई से कैप्टन राजीव कुमार झा ने ईडब्ल्यूओएसएस के प्रयोक्ता परिप्रेक्ष्य के बारे में बताया। पाठ्यक्रम में 'उड़ान पूर्व संदेश सृजन



एवं पश्च मिशन डेटा विश्लेषण' पर श्रीमती जया कल्पना, वैज्ञानिक 'एफ', कैसडिक; 'नेटवर्क एवं डेटा सुरक्षा' पर श्री हिमांशु हरन, वैज्ञानिक 'एफ'; और 'ईडब्ल्यू में एआई' पर श्री सुमित सरकार, वैज्ञानिक 'ई', डीवाईएसएल-एआई, की वार्ताओं को भी कवर किया गया है। पाठ्यक्रम के दौरान संगम प्रदर्शन हाल, डीएलआरएल और ईएलएसईसी कैम्पस के लिए दौरे की भी व्यवस्था की गई ताकि डीएलआरएल की परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके।

इस पाठ्यक्रम में भारतीय नौसेना

(ईडब्ल्यूओएससी, मुंबई और सिग्नल स्कूल, कोच्चि), भारतीय थलसेना (एमसीटीई, महु), भारतीय वायुसेना (वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली), कैम्स, बंगलूरु, बीईएल, हैदराबाद और डीएलआरएल से 25 प्रतिभागितयों ने भाग लिया।

बेहतरीन अनुभव के साथ सभी सत्र काफी इंटरैक्टिव थे और सभी प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी। पाठ्यक्रम ने अपने उद्देश्य को प्राप्त किया। समापन समारोह के दौरान, निदेशक डीएलआरएल ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

‘पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में चुनौतियाँ : रणनीतियाँ एवं उपाय’ पर पाठ्यक्रम

‘पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं में चुनौतियाँ: रणनीतियाँ और उपाय’ पर एक निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) को रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली में 22-24 अगस्त 2022 के दौरान संचालित किया गया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने प्रारंभिक संबोधन में उन्होंने पुस्तकालय व्यावसायिकों द्वारा महसूस की जा रही चुनौतियों और उनके निवारण के बारे में विशेष रूप से बात की। उन्होंने



‘डिजिटल दस्तावेजों का दीर्घकालिक संरक्षण: तकनीकी मुद्दे एवं चिंताएं’ पर एक वार्ता की प्रस्तुति की। पाठ्यक्रम का लक्ष्य डीआरडीओ के पुस्तकालय कार्मिकों के कौशलों का अद्यतन करने पर था। पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ यूनिटों की व्यापक प्रतिभागिता थी क्योंकि देशभर में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से

35 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। विभिन्न विषयों, जैसे कि ‘पुस्तकाध्यक्षता में उभरती प्रवृत्तियां’, ‘डीआरडीओ पुस्तकालय नियमावली-2021’, ‘पुस्तकालयों की पुनः ब्रांडिंग’, विद्वेतापूर्ण संचार में हाल की प्रवृत्तियां’, ‘डीआरडीओ के लिए क्लाउड आधारित आटोमेशन सॉफ्टवेयर से परिचय एवं विहंगावलोकन’, ‘ऐप

आधारित पुस्तकालय सेवाएं’, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के लिए डेसीडॉक की पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं तथा डीआरडीओ ई-पुस्तकालय पर प्रदर्शन जैसे विषयों को शामिल किया गया था। पाठ्यक्रम का संचालन श्री निशांत कुमार, वैज्ञानिक ‘ई’ और उनकी टीम ने किया।

सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पर पाठ्यक्रम

टोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली ने ‘सुरक्षा और साइबर सुरक्षा’ पर 14-16 सितंबर 2022 के दौरान तीन सीईपी पाठ्यक्रम संचालित किए। उद्घाटन समारोह में डॉ सीमा विनायक, ओएस एवं निदेशक, एसएसपीएल और सुश्री रामा वेदाश्री, सीईओ, डेटा काउंसिल ऑफ इंडिया उपस्थित थे। डीआरडीओ की 14 प्रयोगशालाओं के प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

विख्यात वार्ताकारों ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि खतरे का भूदृश्य (थ्रेट लैंडस्केप), साइबर आक्रमणों के निहितार्थ, नेटवर्क एवं क्लाउड सुरक्षा, और एआई आधारित रणनीतियां एवं सुरक्षा समाधान पर व्याख्यान दिए।

इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम के दौरान कार्मिक एवं अवसंरचना के सामान्य विषयों, जैसे कि अग्नि एवं इलेक्ट्रिकल सुरक्षा, विषाक्त रसायनों एवं गैसों को



सुरक्षित रूप से निस्तारित करना, और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित कार्य विधियों को भी कवर किया गया था। दिमाग, शरीर और आत्मा के पुनरूद्धार के लिए सदगुरु इशा फाउंडेशन ने एक ‘सहज योग’ कार्यशाला का भी आयोजन किया।

पाठ्यक्रम को एक समापन समारोह के साथ संपन्न किया गया जहाँ सुश्री मीनाक्षी श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ‘जी’

एवं अध्यक्ष, सुरक्षा समिति, एसएसपीएल और सुश्री नीरज जैन, वैज्ञानिक ‘जी’ और प्रौद्योगिकी निदेशक (आईटी एवं एआई), एसएसपीएल ने पाठ्यक्रम समन्वयकों, डॉ. जया लोहानी, वैज्ञानिक ‘एफ’ और श्री सचिन सैनी, वैज्ञानिक ‘सी’ द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव फीडबैक सत्र के पश्चात प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं क्विज़ पुरस्कार प्रदान किए।

परिसर परिदृश्य में सुरक्षा प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

‘परिसर परिदृश्य में सुरक्षा प्रबंधन’ पर एक सीईपी पाठ्यक्रम को एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में दिनांक 5-7 सितंबर 2022 के दौरान संचालित किया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने

पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और वर्ष के दौरान कोई भी घटना घटित नहीं होने के लिए आईटीआर की सुरक्षा टीम के प्रयासों की प्रशंसा की तथा इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार के पाठ्यक्रम से सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर ज्ञान एवं सक्षमता सशक्त

होगी। पाठ्यक्रम का उद्घाटन मिसाइल परीक्षण परिसर से संबद्ध सुरक्षा पहलुओं की सामान्य जागरूकता एवं प्राथमिक ज्ञान प्रदान करना था। पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनेक विषयों को शामिल किया गया, जैसे कि उच्च विस्फोटक पदार्थों के प्रसंस्करण

एवं निस्तारण के दौरान सुरक्षा, विस्फोटक पदार्थों के निस्तारण के दौरान अचर बिजली का प्रभाव एवं एहतियात उपाय, स्थैतिक एवं गतिकीय परीक्षणों के संचालन के लिए सुरक्षा क्षेत्र का निर्धारण, परीक्षण परिसर से संबद्ध विस्फोटक पर्यावरण में ईएमआई/

ईएमसी के साथ विद्युतीय सुरक्षा, ऑनबोर्ड प्रणोदन प्रणालियों के लिए सुरक्षा उपाय और इंटिग्रेशन एवं चेकआउट ऑपरेशनों के दौरान प्रमुख चिंताएं, परीक्षण परिसर में सुरक्षा परिदृश्य और तरल प्रणोदकों के भंडारण एवं निस्तारण में सुरक्षा जैसे विषय।

इस पाठ्यक्रम में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से अठाइस प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सुकांत दाश, वैज्ञानिक 'एफ', और उनकी टीम ने किया।



सामाजिक गतिविधियां

प्राथमिक-सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने 10-12 अगस्त 2022 के दौरान एक तीन दिवसीय प्राथमिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर द्वारा किया गया। अपने संबोधन में, उन्होंने न केवल कार्यालयी कामकाज घंटों के दौरान, अपितु कोई भी घटना/आपातकाल की स्थिति में रोज़ाना भी प्राथमिक-सहायता की आवश्यकता को उजागर किया। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से आईटीआर द्वारा अभी तक रिपोर्ट की गई घटनाओं के घटित नहीं होने के लिए आईटीआर की प्रशंसा की। सेंट जॉन्स एम्बुलेंस, भुवनेश्वर से विशेषज्ञ डॉक्टर और ट्रेनर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। इस कार्यक्रम में



आईटीआर के विभिन्न अनुभागों से पच्चीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम अधिकतर प्रैक्टिकल उन्मुख था और प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण से काफी

लाभ मिला।

श्री पी एन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

रक्तदान शिविर

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने आईटीआर के सभी परिसरों में पूरे सम्मान के साथ भारत रत्न स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 4वीं पुण्यतिथि मनाई। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने इस महापुरुष का गुणगान करते हुए उनके डीआरडीओ तथा राष्ट्र को दिए गए बहुआयामी योगदानों को याद किया। उन्होंने आईटीआर के प्रथम निदेशक, एसए के पद से आरएम और महानिदेशक डीआरडीओ के कार्यकाल तक, पीएसए से पीएम तक, और भारत के राष्ट्रपति बनने तक के अभिप्रेरणीय कार्यकालों के दौरान उनकी अद्भूत भूमिकाओं का वर्णन किया। इस अवसर पर, डॉ. कलाम को विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए, आईटीआर ने एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया। निदेशक, आईटीआर ने शिविर का उद्घाटन किया और यह कहा कि जब कोई रक्त दान करता है, तो उससे किसी



और का जीवन बच जाता है। रक्त दान के अलावा, कोई और महान कार्य नहीं है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को परोपकारी कार्य के लिए स्वेच्छा से रक्त दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इस शिविर के दौरान 301 यूनिट रक्त दान एकत्र

किया गया। कई वैज्ञानिकों, अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों और आईटीआर परिवार, डीएससी कार्मिकों ने इस परोपकारी कार्य में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने अपने परिसर के भीतर एक परिवार कल्याण केंद्र में दिनांक 24 अगस्त 2022 को एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया।

शिविर का आयोजन एलआरडीसी-2022 की सामाजिक सेवा समिति ने एएस राजा ब्लड बैंक, विशाखापत्तनम के सौजन्य से किया। श्रीमती लक्ष्मी श्रीनिवास राव, एनएसटीएल की प्रथम महिला, ने डॉ. वाई श्रीनिवास राव, ओएस और निदेशक, एनएसटीएल के साथ शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में किया। निदेशक, एनएसटीएल ने अपने कर्मियों की स्वैच्छिक प्रतिभागिता की की और रक्त दान देने वालों की सराहना की। डॉ. ए राधा रानी और ए एस राजा



ब्लड बैंक की एक दस सदस्यीय टीम; और लेफ. कमा. प्रिज्ञा रिट रॉय, एनएसटीएल सर्जन की प्रधान चिकित्सा अधिकारी तथा एनएसटीएल एमआई कक्ष की टीम ने

शिविर का पर्यवेक्षण किया।

एनएसटीएल के लगभग 100 कार्मिकों और उनके परिवार सदस्यों ने शिविर के दौरान रक्त दान किया।

आरसीएमए, चंडीगढ़

चंडीगढ़ टेबल टेनिस एसोसिएशन (सीटीटीए), जो भारत के टेबल टेनिस फेडरेशन (टीटीएफआई) से संबद्ध है, ने दिनांक 13-14 अगस्त 2022 के दौरान 6वें चंडीगढ़ स्टेट मास्टर्स टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस टूर्नामेंट में, मोह. अमजद खान, आरसीएमए चंडीगढ़ के टीओ 'बी' ने 40+ श्रेणी के मैन सिंगल्स और मैन डबल्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

मैन सिंगल्स में वह लगातार तीन वर्षों (2018, 2019 और 2022) से 40+ स्टेट लेवल चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 और 2019 के दौरान मैन डबल्स प्रतियोगिता में रजत और स्वर्ण पदक प्राप्त किए थे। मो. अमजद खान वर्तमान डीआरडीओ राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियन भी हैं।



एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने दिनांक 11-17 अगस्त 2022 के दौरान एक सप्ताह तक खेल गतिविधियां संचालित कीं। गतिविधियां पिटचाइया इन्डोर स्टेडियम, एनएसटीएल परिसर में टेबल टेनिस टूर्नामेंट के साथ शुरू की गईं। डॉ. वाई श्रीनिवास राव, ओएस एवं निदेशक, एनएसटीएल, ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया जिसमें एनएसटीएल, ग्रेटर विशाखा नगर निगम (जीवीएमसी), भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल), विशाखापत्तनम और विशाखापत्तनम चिकित्सक संघ की टीमों ने बड़े उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रयोगशाला ने खेलों के प्रति स्कूली छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 22 जुलाई 2022 को एनएसटीएल वॉलीबाल ग्राउंड में भी एक प्रेरणीय खेल प्रतियोगिता आयोजित की।

चार टीमों (एनएसटीएल के लड़कों, रेलवे के लड़कों; स्टील प्लांट से



लड़कियों और पेंडुर्थी से लड़कियों) के बीच मैच कराए गए। प्रेरणीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन एनएसटीएल खेल समिति ने किया। रामनाथ उच्चतर स्कूल से छात्रों,

एनएसटीएल सिविल कर्मचारी यूनियन के सदस्यों और निर्माण कार्य समिति के सदस्यों तथा एनएसटीएल के अन्य कर्मियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

आईटीआर, चांदीपुर में जीएनएसएस आरटीके बेस स्टेशन की स्थापना

हायली एक्यूरेट पोजिशन सर्वे ऑफ रेंज इंस्ट्रूमेंट स्टेशनों की आवश्यकता की पूर्ति करने हेतु, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में दिनांक 4 अगस्त 2022 को एक कम लागत वाली परिशुद्ध वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली (जीएनएसएस) रीअल टाइम काइनमेटिक बेस स्टेशन की स्थापना की गई। इस प्रणाली को श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर और श्री एम गोस्वामी, वैज्ञानिक 'एफ' के नेतृत्व में जीएनएसएस प्रयोगशाला, भौतिक विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, पश्चिम बंगाल के तकनीकी सहभागिता में परिकल्पित किया गया था।

अनुसंधान सेवा अधिग्रहण के लिए एक परियोजना को यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान के साथ शुरू किया गया जिसके अंतर्गत डॉ. अनिंदया बोस प्रमुख अन्वेषक और श्री सोमनाथ महतो, एसआरएफ प्रारंभिक तकनीकी योगदानकर्ता थे।

बेस स्टेशन को एक विशिष्ट न्यून लागत के दोहरे फ्रीक्वेंसी जीएनएसएस मॉड्यूल का प्रयोग करके नवीनीकृत किया गया, जबकि एक सीओटीएस सिंगल फ्रीक्वेंसी रिसीवर का प्रयोग रोवर के रूप में किया गया। बेस सेट अप की अनिश्चितता बहुत ही न्यून (95%) थी, यानी 0.005 मिमी x 0.003 मिमी x 0.010 मिमी।



आरटीके एक ऐसी तकनीक है जो जीएनएसएस अनुप्रयोगों की पोजिशन एक्यूरेसी को बढ़ा सकती है। आरटीके में, एक बेस को पूर्व सर्वेक्षित स्थान पर ऑपरेट किया गया जो करेक्शन मेसेज भेजता है। एक निश्चित दूरी पर यूजर रिसीवर पोजिशन सॉल्यूशन में सुधार लाने हेतु करेक्शन मेसेज को प्राप्त कर उसका उपयोग करता है। आईटीआर में अनुप्रयोग के संदर्भ में, डेटा की सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु करेक्शन मेसेज को कम्प्यूनिकेट करने के लिए एलएएन का

प्रयोग किया गया। इस प्रणाली की 2डी पोजिशन यथार्थता 20-45 सेमी (95% कंफिडेंस लेवल) ऑर्डर की है; जबकि 3डी पोजिशन यथार्थता 0.5 मी (61% कंफिडेंस लेवल) आर्डर की है। प्रणाली के प्रदर्शन के प्रमाणन हेतु भारतीय सर्वेक्षण संदर्भ बिंदुओं सहित विभिन्न स्थानों के लिए बहु माप निर्धारण किए गए। इस सेट अप को अन्य रक्षा स्थापनाओं में क्रियान्वित किया जा सकता है जहाँ यथार्थ सर्वेक्षण सुरक्षित तरीके से करने की आवश्यकता है।

पेटेंट

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि के डॉ. रेजी जॉन, श्री शिव कुमार एवं श्री आर एस अरुण सुंदर को 'ए मैग्नेटोरियोलॉजीकल फ्ल्यूड कम्पोजिशन फॉर आटोमोबाइल सस्पेंशन एंड ए प्रिपेरेशन मैथड देयर ऑफ' के लिए एक पेटेंट सं. 402650 की मंजूरी प्रदान की है।

नियुक्तियाँ

निदेशक, डीएमएसआरडीई



डॉ. मयंक द्विवेदी, वैज्ञानिक 'जी' को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर का निदेशक

नियुक्त किया गया है। वह दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली से पॉलीमर टेक्नोलॉजी में एमई और आईआईटी, दिल्ली से एडवांस्ड कम्पोजिट्स में पीएचडी उपाधि धारक हैं। उन्होंने एमई में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और वह गौरवमयी राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के भूतपूर्व छात्र यानी एल्यूमीनी हैं।

उन्होंने अपना करियर उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, हैदराबाद में सन् 1992 से शुरू किया था। अपने प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने पॉलीमरिक कम्पोजिट्स और नैनो कम्पोजिट्स में कार्य किया। उन्होंने स्टेल्थ और रडार अवशोषक प्रणालियों में तथा बड़ी परियोजनाओं, जैसे कि अग्नि मिसाइल, ब्रह्मोस मिसाइल, संग्राम प्रौद्योगिकियाँ और जैवअभियांत्रिक उपकरणों के क्षेत्र में कार्य किया है।

उन्हें एडवांस्ड कम्पोजिट्स की प्रोसेसिंग एवं स्ट्रक्चर प्रॉपर्टी संबंध के क्षेत्र में विशेषज्ञता है। उन्होंने उच्च ताप वाली रेसिन प्रणालियों के स्वदेशीकरण और एअरफ्रेम्स के विकास में योगदान दिया है। उन्होंने जवाबी कार्रवाई यानी काउंटर इन्सर्जेंसी से संबंधित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों की पहचान और विकास के क्षेत्र में कार्य किया और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी), डीआरडीओ द्वारा विकसित उत्पादों के निर्यात, सरकारी स्वामित्व एवं कंपनी द्वारा आपरेट (जीओसीओ) किए जाने वाले मॉडल को विकसित करने में, उद्योग

द्वारा डीआरडीओ की परीक्षण सुविधाओं का प्रयोग करने आदि से संबंधित विभिन्न डीआरडीओ नीतियों/एसओपी को निरूपित किया तथा उनका क्रियान्वयन किया। उन्होंने उद्योगों के लिए डीआरडीओ की नीतियों के प्रसार हेतु, देशभर में उद्योगों के साथ संवाद व वार्ता में भी अगुवाई की।

उनके नाम पर अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन और पेटेंट हैं और उन्होंने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय मंचों में व्याख्यान प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने नैनो टेक्नोलॉजी और पॉलीमरिक कम्पोजिट्स पर तीन पुस्तकें भी लिखी हैं। उन्हें 2019 में 'उत्कृष्टता के लिए अग्नि पुरस्कार' और 2003 में 'वार्षिक प्रयोगशाला वैज्ञानिक पुरस्कार' से नवाजा गया है।

उच्च योग्यता अर्जन

कैम्ब्स, बेंगलूरु



श्री कपुरिया भगवानजी, वैज्ञानिक 'ई', वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैम्ब्स), बेंगलूरु ने अपनी पीएचडी रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी), पुणे से की है और उनका शोध प्रबंध शीर्षक था 'इमेज सेगमेंटेशन यूजिंग वेरियस लोकल स्ट्रक्चरल इन्फॉर्मेशन'।



डॉ. एस इलावरासु, वैज्ञानिक 'एफ', को उनके शोध प्रबंध 'करेक्टराईजेशन ऑफ कम्पोजिट रेडोमेटेरिअल फॉर एअरबॉर्न सर्विलिंस एअरक्राफ्ट' के लिए जैन (मानद विश्वविद्यालय) द्वारा 2022 में एरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

एनपीओएल, कोच्चि



श्री सरत गोपी, वैज्ञानिक 'एफ', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला, कोच्चि, को उनके शोध प्रबंध शीर्षक 'मॉड्यूलेशन एंड ट्रांसमिट प्रिकोडिंग टैक्नीक्स फॉर बियॉन्ड 5जी कम्प्यूनिवेशन सिस्टम्स' के लिए वायरलेस कम्प्यूनिवेशन के क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

सर्वश्रेष्ठ छात्र शोध पत्र पुरस्कार



नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि के श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक 'एफ'; आईआईएससी, बेंगलूरु के प्रोफेसर

डॉ. आर चन्द्रा आर मूर्ति; और एनपीओएल के डॉ. पी मुरलीकृष्णा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा लिखित शोध पत्र शीर्षक 'वेरिबल बैंडविथ मल्टीकैरियर कम्प्यूनिवेशन्स: ए न्यू वेव फॉर्म फॉर डिले-स्केल चैनल' को फिनलैंड में आयोजित इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन सिग्नल प्रोसेसिंग एडवांसिस इन वायरलेस कम्प्यूनिवेशन्स (एसपीएडब्ल्यूसी) 2022 में सर्वश्रेष्ठ छात्र शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया है।

इस शोध पत्र को ऑर्थोगोनल टाइम फ्रीक्वेंसी स्पेस (ओटीएफएस) और डिले डॉप्लर सिग्नल प्रोसेसिंग के क्षेत्र में जून 2022 के लिए आईईईईई कंप्यूटर सोसायटी की सर्वोत्तम रीडिंग सूची में सूचीबद्ध किया गया है।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

केयर, बैंगलूरु

✽ मेजर जनरल संजीव शर्मा, एसएम, एडीजी टैक सी एवं उनकी टीम ने दिनांक 16 अगस्त 2022 को कृत्रिम ज्ञान और रोबोटिकी केंद्र (केयर) का दौरा किया। उन्हें डॉ. सुब्रत रक्षित, ओएस एवं निदेशक, केयर ने ब्रीफिंग दी जिसके बाद सूचना और संचार सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई और उनका प्रदर्शन दिखाया गया।

✽ वाइस एडमिरल ए बी सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी प्लेग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमांड और उनकी टीम ने दिनांक 22 अगस्त 2022 को केयर का दौरा किया। उन्हें डॉ. सुब्रत रक्षित, ओएस एवं निदेशक, केयर ने ब्रीफिंग दी जिसके बाद नौसेना एवं थल सेना बलों के लिए कमांड और कंट्रोल के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई और उनका प्रदर्शन दिखाया गया।

✽ एअर कमा. एस के पथानिया, पीडी एसआई वायुसेना और उनकी टीम ने दिनांक 25 अगस्त 2022 को केयर का दौरा किया। डॉ. सुब्रत रक्षित, ओएस एवं निदेशक, केयर ने ब्रीफिंग दी जिसके बाद इंटेलिजेंट सिस्टम और रोबोटिकी तथा भूसूचना विज्ञान के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई और उनका प्रदर्शन दिखाया गया।

एचईएमआरएल, पुणे

एअर मार्शल सीआर मोहन, एवीएसएम वीएसएम, एसएमएसओ एचक्यू एमसी, वायुसेना ने दिनांक 18 अगस्त 2022 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) का दौरा किया। उनके दौरे के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने आईआर फ्लेयर्स, ईएएक्स के स्वदेशीकरण, पावर कार्ट्रिज, और इम्पल्स कार्ट्रिज, थर्मोबेरिक बॉम्ब और हवा से हवा में मार करने वाले मिसाइल में प्रयोग की जाने वाले केस बॉन्डेड प्रोपेलेंट के बारे में प्रस्तुतीकरण दिए।



मेजर जनरल संजीव शर्मा, एसएम, एडीजी टैक सी एवं उनकी टीम का केयर, बैंगलूरु का दौरा



वाइस एडमिरल ए बी सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी प्लेग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमांड और उनकी टीम डॉ. सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट एवं निदेशक, केयर के साथ



एअर मार्शल सीआर मोहन, एवीएसएम वीएसएम, एसएमएसओ एचक्यू एमसी, वायुसेना के दिनांक 18 अगस्त 2022 को एचईएमआरएल में दौरे का एक पल

आईआरडीई, देहरादून

श्री बेंजामिन लियोनल, ओएस एवं पूर्व निदेशक, यंत्र अनुसंधान और विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग निदेशालय (डीआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय ने दिनांक 22 अगस्त 2022 को आईआरडीई का दौरा किया। डॉ. अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई एवं आईआरडीई के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उनका स्वागत किया।

श्री लियोनल ने आईआरडीई की डायमंड जुबली गैलरी का दौरा किया और गैलरी में प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रणाली क्षेत्र, डाउन द मेमोरी लेन एवं लैब डब्ल्यूओडब्ल्यू मोमेन्ट्स के प्रति गहरी रुचि दिखाई। डॉ. अजय कुमार ने आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दी। श्री लियोनल ने आईआरडीई के टैब्ल्यू का भी अवलोकन किया जिसमें भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए समुद्र, जल, थल और अंतरिक्ष में आईआरडीई की



श्री बेंजामिन लियोनल, आईआरडीई एवं डीआईसी के पूर्व निदेशक आईआरडीई में दौरे के दौरान बातचीत करते हुए

उपस्थिति को प्रदर्शित किया गया था।

एनपीओएल, कोच्चि

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एवं डी) एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने दिनांक 02 सितंबर को नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि का दौरा किया। सर्वप्रथम, डॉ. के अजीत

कुमार, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, एनपीओएल ने अध्यक्ष का स्वागत किया। डॉ. कामत ने एनपीओएल के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।

उन्हें चालू परियोजनाओं के बारे में संबंधित परियोजना टीमों ने संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. चन्द्रिका कौशिक, ओएस एवं डीजी (पीसी एवं एसआई) भी समीक्षा बैठकों के दौरान उपस्थित थे।



डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एवं डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ को एनपीओएल परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई

डीआरडीओ मोनोग्राफ / विशेष प्रकाशन श्रृंखला

ENDEAVOURS IN SELF-RELIANCE

DEFENCE RESEARCH (1983 - 2018)

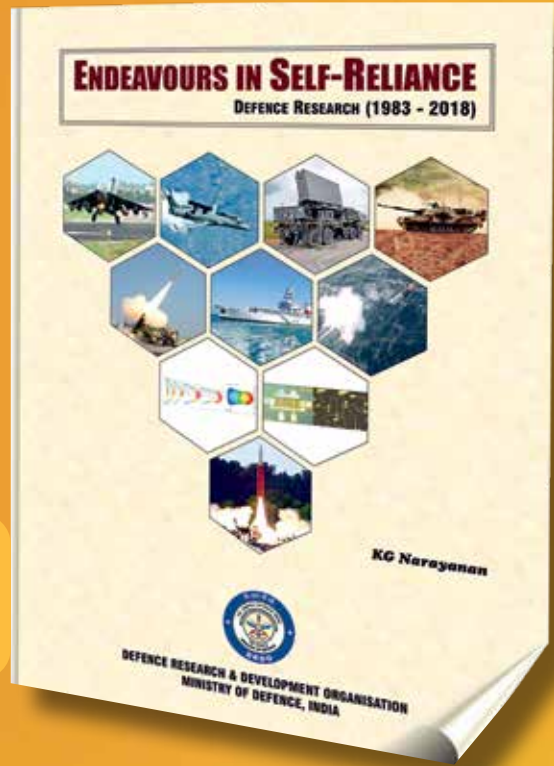
रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन
(1958-1982)
का आनुक्रमिक खंड

मूल्यः

आईएनआर ₹ 2100

युएस \$ 75

युके £ 65



“एन्डेवर्स इन सेल्फ रिलायंस-डिफेन्स रिसर्च (1983-2018)” शीर्षक से प्रकाशित किए गए विशेष मोनोग्राफ का माननीय रक्षा राज्य मंत्री, श्री अजय भट्ट द्वारा 11 मई, 2022 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में औपचारिक रूप से विमोचन किया गया। यह मोनोग्राफ डेसीडॉक, डीआरडीओ द्वारा पूर्व में प्रकाशित किए गए डॉ आर पी शेनॉय की पुस्तक “डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (1958-1982)” का आनुक्रमिक खंड है।

इस विशेष मोनोग्राफ में वर्ष 1983-2018 की अवधि को कवर किया गया है जिसमें डीआरडीओ के इतिहास में क्रांतिकारी विकास तथा उपलब्धियों के दशक शामिल हैं। इस अवधि के दौरान एक ही पीढ़ी के वैज्ञानिकों, सैनिकों तथा नीति निर्माताओं द्वारा किए गए सम्मिलित प्रयासों के फलस्वरूप सामरिक हथियार प्रणालियों, गाइडेड मिसाइलों, युद्धक विमानों तथा हवाई पूर्व चेतावनी प्रणाली जैसी वैमानिकी प्रणालियों, मुख्य युद्धक टैंकों, नौसेना प्लेटफॉर्मों, सेंसरों तथा हथियारों, रडार प्रणालियों, संचार प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं तथा कई अन्य उपकरणों को अभिकल्पित एवं विकसित करने में स्वदेशी क्षमता प्राप्त करने के मामले में व्यापक उपलब्धि हासिल की गई। मोनोग्राफ में रक्षा के क्षेत्र में काम कर रही विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं संस्थापनाओं द्वारा तथा भारत के रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से किए गए अनवरत एवं पुरजोर प्रयासों का ऐतिहासिक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में विवरण प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक का संपादन डीआरडीओ के पूर्व मुख्य सलाहकार डॉ के जी नारायणन ने किया है।

क्रय हेतु संपर्क करें:

निदेशक, डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

marketing.desidoc@gov.in

011-23902612